



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

11/5

सं. 595]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 21, 2001/श्रावण 30, 1923

No. 595]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 21, 2001/SRAVANA 30, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 2001

आय-कर

का.आ. 808(अ).—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 92ग, 92घ और 92ड के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (इकीसवां संशोधन) नियम, 2001 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आय कर नियम, 1962 में, -

(i) नियम 10 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ 10क. समान कीमत की संगणना में प्रयोग किए गए पदों का अर्थ

इस नियम और नियम 10ख से नियम 10ड के प्रयोजनों के लिए, -

(क) ‘अनियंत्रित सव्यवहार’ से सहयोजित उद्यमों से भिन्न, चाहे निवासी हो या अनिवासी, वर्गों के बीच कोई सव्यवहार अभिप्रेत है ;

(ख) ‘संपत्ति’ में माल, वस्तुएं या चीजे और अमूर्त संपत्ति सम्मिलित है ;

(ग) ‘सेवाओं’ में वित्तीय सेवाएं सम्मिलित हैं ;

(घ) ‘सव्यवहार’ में निकट रूप से संबद्ध अनेक सव्यवहार सम्मिलित है।

10ख. धारा 92ग के अधीन समान कीमत का अवधारण

(1) धारा 92ग की उपधारा (2) के प्रयोजनों के लिए, किसी अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार के संबंध में समान कीमत, निम्नलिखित किन्हीं पद्धतियों में से किसी पद्धति द्वारा निम्नलिखित रीति में, जो सबसे समुचित पद्धति है, अवधारित की जाएगी, अर्थात् :-

(क) तुलनीय अनियंत्रित कीमत पद्धति, जिसके द्वारा, -

- (i) किसी तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहार में या ऐसे अनेकों संव्यवहारों में संपत्ति के अंतरण या उपलब्ध करायी गई सेवाओं के लिए कीमत भारत या संघ की जाती है, परिभाषित की जाती है ;
- (ii) ऐसी कीमत अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार और तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहारों के बीच अथवा ऐसे संव्यवहार आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच अंतरों के लिए लेखाओं में समायोजित की जाती है जो कीमत को खुले बाजार में सारवान रूप से प्रभावित कर सकती है ;
- (iii) उपखंड (ii) के अधीन समायोजित की गई कीमत को, अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार में अंतरित संपत्ति या उपलब्ध करायी गई सेवाओं की बाबत समान कीमत माना जाएगा ;

(ख) पुनःविक्रय कीमत पद्धति, जिसके द्वारा, -

- (i) वह कीमत जिसपर किसी सहयोजित उद्यम से उद्यम द्वारा संपत्ति क्रय की गई है या सेवाएं अभिप्राप्त की गई हैं, किसी असंबद्ध उद्यम को पुनःविक्रय या उपलब्ध करायी जाती है, परिभाषित की जाती है ;
- (ii) ऐसी पुनःविक्रय कीमत में से, उद्यम या किसी असंबद्ध उद्यम को, उसी या वैसी ही संपत्ति के क्रय और पुनःविक्रय अथवा उसी या उसी प्रकार की सेवाओं को किसी तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहार या ऐसे ही अनेक संव्यवहारों में अभिप्राप्त और उपलब्ध करायी गई सेवाओं से उद्भूत किसी साधारण सकल लाभ अंतर की राशि को कम कर दी जाती है ;
- (iii) इस प्रकार अवधारित कीमत में से, संपत्ति के क्रय या सेवाओं के अभिप्राप्त करने के संबंध में उद्यम द्वारा उद्भूत व्यय की रकम को और कम कर दिया जाता है ;
- (iv) इस प्रकार अवधारित कीमत को, कृत्रिम और अन्य अंतरों में हिसाब में लिया जाएगा जिसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार और अनियंत्रित संव्यवहार के बीच अथवा ऐसे संव्यवहारों को आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच लेखासकर्म प्रथाओं में, यदि कोई हो, अंतर सम्मिलित है जो खुले बाजार में सकल लाभ अंतर की राशि को सारवान रूप से प्रभावित कर सकता है ;
- (v) उपखंड (iv) के अधीन समायोजित की गई कीमत, संपत्ति के क्रय या उद्यम द्वारा सहयोजित उद्यम से अभिप्राप्त सेवाओं की बाबत समान कीमत समझी जाती है ;

(ग) लागत धन पद्धति, जिसके द्वारा,-

- (i) संपत्ति के अंतरण या किसी सहयोजित उद्यम को उपलब्ध करायी गई सेवाओं द्वारा उद्भूत उत्पादन की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागत को अवधारित किया जाता है ;
- (ii) उसी या उसी प्रकार की संपत्ति के अंतरण या उद्यम द्वारा अथवा किसी असंबद्ध उद्यम द्वारा किसी तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहार में अथवा ऐसे अनेक संव्यवहारों में उद्यम को उपलब्ध सेवाओं से उद्भूत ऐसी लागत (उसी लेखा संकर्म मापमान के अनुसार संगणित) से उद्भूत किसी साधारण सकल लाभ की राशि अवधारित की जाती है ;
- (iii) उपखंड (ii) में निर्दिष्ट उपयुक्त साधारण सकल लाभ, अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों और तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहारों के बीच अथवा ऐसे संव्यवहार आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच कृत्यिक और अन्य अंतरों, यदि कोई हो, को, हिसाब में लेने के लिए समायोजित किया जाता है, जो खुले बाजार में ऐसे निश्चित लाभ को सारवान रूप से प्रभावित करता है ;
- (iv) उपखंड (i) में निर्दिष्ट लागतों में, उपखंड (iii) के अधीन उपयुक्त लाभ को समायोजित करके वृद्धि कर दी जाती है ;
- (v) इस प्रकार प्राप्त राशि को, संपत्ति के प्रदाय या उद्यम द्वारा सेवाओं के उपलब्ध कराए जाने के संबंध में समान कीमत माना जाता है ;

(घ) लाभ विघटन पद्धति, जो मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों को लागू हो सकती है, जिनमें अनन्य अमूर्त संपत्तियों का अंतरण या बहुअंतरराष्ट्रीय संव्यवहार अंतर्वलित है जो इस प्रकार अंतःसंबंधित है कि उनका किसी एक संव्यवहार की समान कीमत का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए पृथक् रूप से मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है, जिसके द्वारा, -

- (i) अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार से उद्भूत सहयोजित उद्यमों का सम्मिलित शुद्ध लाभ जिसमें वे लगे हुए हैं, अवधारित किया जाता है ;
- (ii) ऐसे सम्मिलित शुद्ध लाभ के अर्जन में सहयोजित प्रत्येक उद्यम द्वारा किए गए अपने-अपने अंशदान को तब किए गए कृत्यों, लगायी गई या लगायी जाने वाली आस्तियों तथा प्रत्येक उद्यम द्वारा उठाई गई जोखिमों के आधार पर तथा विश्वसनीय बाह्य बाजार आंकड़ों के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है जिससे यह पता चलता है कि उन्हीं परिस्थितियों में चल रहे तुलनीय कृत्यों से असंबंधित उद्यमों द्वारा ऐसे अंशदान का किस प्रकार मूल्यांकन किया जाएगा ;
- (iii) सम्मिलित शुद्ध लाभ को तब उनका अपने-अपने अंशदान के अनुपात में उद्यमों के बीच, उपखंड (ii) के अधीन यथामूल्यांकित विघटन कर दिया जाता है ;
- (iv) लाभ इस प्रकार निर्धारितियों के अनुपात में अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार के संबंध में किसी समान कीमत पर हिसाब में लिया जाएगा ;

परंतु यह कि उपखंड (i) में निर्दिष्ट सम्मिलित शुद्ध लाभ, प्रथमतः प्रत्येक उद्यम को आंशिक रूप से इस प्रकार आवंटित किया जा सकेगा जिससे कि यह अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार की किस्म के लिए समुचित रूप से आधारिक आय उपलब्ध करा सके, जिसमें वह लगा हुआ है, जो स्वतंत्र उद्यमों द्वारा

किए जा रहे वैसे ही किस्म के सव्यवहारों के लिए प्राप्त बाजार आय के अनुसार होगा तथा तत्पश्चात् ऐसे आबंटन के पश्चात् बकाया अवशिष्ट शुद्ध लाभ को उद्यमों के बीच, उनके अंशदान के अनुपात में उपखंड (ii) और (iii) के अधीन विनिर्दिष्ट रीति में आबंटित किया जा सकेगा तथा ऐसी किसी दशा में, उनके अपने-अपने अंशदान के आधार पर उस उद्यम को आबंटित अवशिष्ट शुद्ध लाभ सहित प्रथमतः आबंटित कुल शुद्ध लाभ को अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार से उस उद्यम को उद्भूत शुद्ध लाभ समझा जाएगा ;

(ड) सव्यवहार्य शुद्ध अंतर पद्धति, जिसके द्वारा,—

- (i) किसी अंतरराष्ट्रीय सव्यवहार से जो किसी सहयोजित उद्यमी से हुआ है, उद्यमी द्वारा प्राप्त शुद्ध लाभ अंतर, उद्यम द्वारा उपगत लागत या किए गए विक्रय अथवा लगाई गई या लगायी जाने वाली आस्तियों या किसी अन्य सुसंगत आधार को ध्यान में रखते हुए संगणित किया जाता है ;
- (ii) उद्यमी या किसी तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहार से किसी असंबद्ध उद्यम द्वारा अथवा ऐसी ही अनेक सव्यवहारों से वसूल किए गए शुद्ध लाभ अंतर को, उसी आधार को ध्यान में रखते हुए संगणित किया जाता है ,
- (iii) अंतरराष्ट्रीय सव्यवहार और तुलनीय अनियंत्रित सव्यवहारों के बीच या ऐसे सव्यवहार प्रारंभ कर रहे उद्यमों के बीच अंतरों को, यदि कोई हो, हिसाब में लेने के लिए, तुलनीय अनियंत्रित सव्यवहारों से उद्भूत उपखंड (ii) में निर्दिष्ट शुद्ध लाभ अंतर समायोजित किया जाता है, जो खुले बाजार में शुद्ध लाभ अंतर की राशि को सारवान रूप से प्रभावित कर सकता है ;
- (iv) उद्यम द्वारा और उपखंड (i) में निर्दिष्ट प्राप्त किए गए शुद्ध लाभ अंतर को, उपखंड (iii) में निर्दिष्ट शुद्ध लाभ अंतर के समान समझा जाता है ;
- (v) इस प्रकार समायोजित शुद्ध लाभ अंतर, अंतरराष्ट्रीय सव्यवहार के संबंध में संगणित कीमत अवधारित करने के लिए हिसाब में लिया जाता है ।

(2) उपनियम (1) के प्रयोजनों के लिए किसी अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार की तुलनीयता, किसी अनियंत्रित संव्यवहार के अनुसार निम्नलिखित के प्रतिनिर्देश से अधिनिर्णित की जाएगी :-

(क) अंतरित संपत्ति या दोनों सव्यवहारों में उपलब्ध करायी गई सेवाओं के विनिर्दिष्ट लक्षण ;

(ख) लगायी गई या लगायी जाने वाली आस्तियों तथा सव्यवहारों में भिन्न-भिन्न पक्षकारों द्वारा उठाए गए जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, किए गए कृत्य ;

(ग) संव्यवहारों के संविदाजात निबधन (वाहे ऐसे निबधन औपचारिक हो या लिखित न) या उत्तरदायित्वों, जोखिमों और कायदों को सव्यवहारों के कमरा पक्षकारों को किरा प्रकार विभाजित किया जाएगा स्पष्ट रूप से या सन्निहित रूप से अधिकथित करता है ;

(घ) बाजारों की वर्तमान अवस्था जिसमें सव्यवहारों के भिन्न-भिन्न पक्षकार कय करता है जिसमें भौगोलिक अवस्थिति तथा बाजारों का आकार, तत्समय प्रवृत्त विधियों और सरकारी आदेश श्रम-लागत और बाजारों में पूंजी, समग्र आर्थिक विकास और प्रतियोगिता का स्तर और चाहे थाक बाजार हो या फुटकर, सम्मिलित है ।

(3) कोई अनियंत्रित संव्यवहार, किसी अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार से तुलनीय होगा, यदि, -

- (i) किसी भी अंतर की, यदि कोई हो, जिनकी संव्यवहारों के बीच या ऐसे संव्यवहारों को आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच, तुलना की जा रही हो, जिनके प्रभासित कीमत या लागत अथवा संदत्त कीमत या लागत या खुले बाजार में ऐसे संव्यवहारों से उद्भूत लाभ को सारवान रूप से प्रभावित करने की संभावना है ; या
- (ii) ऐसे अंतरों के सारवान प्रभाव के निराकरण के लिए युक्तियुक्त रूप से सही समायोजन किया जा सकता है ।

(4) किसी अनियंत्रित संव्यवहार की तुलनीयता का किसी अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार के साथ विश्लेषण करने में प्रयोग किए जाने वाले आंकड़े वे होंगे जो अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार से संबंधित वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रविष्ट किए गए हैं :

परंतु यह कि किसी ऐसी अवधि से संबंधित आंकड़े जो ऐसे वित्तीय वर्ष से पूर्व दो वर्ष से अधिक की नहीं होगी, पर भी विचार किया जाएगा, यदि ऐसे आंकड़े ऐसे तथ्यों को पकड़ करते हैं जिनसे तुलना किए जा रहे संव्यवहारों के संबंध में कीमतों के अंतरण के अवधारण पर प्रभाव पड़ता हो ।

10ग समुचित पद्धति

(1) धारा 92ग की उपधारा (1) के प्रयोजनों के लिए समुचित पद्धति वह पद्धति होगी जो प्रत्येक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार के तथ्यों और परिस्थितियों के सबसे ज्यादा अनुकूल है और जो अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार के संबंध में समान कीमत के लिए सबसे विश्वसनीय उपाय का उपबंध करती है ।

(2) उपधारा (1) में यथाविनिर्दिष्ट समुचित पद्धति का चयन करने में, निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाएगा, अर्थात् :-

(क) अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार की प्रकृति और वर्ग ;

(ख) संव्यवहार आरंभ कर रहे सहयोजित उद्यमों का वर्ग या के वर्ग और ऐसे उद्यमों द्वारा लगाई गई या लगाई जाने वाली आस्तियों तथा उठाई गई जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, उनके द्वारा किए गए कृत्य ;

(ग) पद्धति को लागू करने के लिए आवश्यक आंकड़ों की उपलब्धता, उनकी समावेश और उनकी विश्वसनीयता ;

(घ) अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार और अनियंत्रित संव्यवहार के बीच तथा ऐसे संव्यवहारों को आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच विद्यमान तुलनीयता का स्तर ;

(ङ) सीमा जिस तक अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार और तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहार के बीच या ऐसे संव्यवहारों को आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच अंतरों, यदि कोई हों, का ~~लेखा-जोखा~~ लेखा-जोखा देने के लिए विश्वसनीय और सही समायोजन किया जा सकता है ;

(च) किसी पद्धति को लागू करने में अपेक्षित अगीकार करने की प्रकृति, सीमा और विश्वसनीयता ।

10घ. धारा 92घ के अधीन अनुरक्षित रखी जाने वाली सूचना और दस्तावेज

(1) प्रत्येक व्यक्ति जिसने कोई अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया है निम्नलिखित सूचना और दस्तावेज अनुरक्षित रखेगा, अर्थात् :-

(क) अन्य उद्यमों द्वारा धारित शेषों और अन्य स्वामित्व हितों के ब्यौरे सहित निर्धारिती उद्यम की स्वामित्व संरचना का वर्णन ;

(ख) उस ग्रुप में समाविष्ट प्रत्येक उद्यमी का, जिनके साथ निर्धारिती द्वारा अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किए गए हैं, नाम, पता, विधिक प्रास्थिति और निवास के देश के कर के भाग रूप में निर्धारिती उद्यम के बहुराष्ट्रीय ग्रुप का एक प्रोफाइल तथा उनके बीच स्वामित्व सीमा ;

(ग) निर्धारिती के कारबार का तथा उद्योग का, जिसे निर्धारिती चलाता है तथा उन सहयोजित उद्यमों के कारबार का जिसके साथ निर्धारिती ने संव्यवहार किया है, का विस्तृत वर्णन ;

(घ) प्रत्येक सहयोजित उद्यम के साथ आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों की प्रकृति और निबंधन, (जिसमें कीमत भी हैं) अंतरित संपत्ति या उपलब्ध कराई गई सेवा के ब्यौरे तथा प्रत्येक ऐसे संव्यवहार की संख्या और मूल्य या ऐसे संव्यवहार का वर्ग ;

(ङ) निर्धारिती द्वारा और अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार में अंतर्वलित सहयोजित उद्यमों द्वारा किए गए कृत्यों, उठाई गई जोखिमों, लगाई गई या लगाई जाने वाली आस्तियों का वर्णन ;

(च) निर्धारिती द्वारा संपूर्ण कारबार के लिए और प्रत्येक प्रभाग या उत्पाद के लिए पृथक रूप से जिसको निर्धारिती द्वारा आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों पर प्रभाव हो सकता है, के लिए निर्धारिती द्वारा तैयार किए गए आर्थिक और बाजार विश्लेषण, पूर्वानुमान, बजट या कोई अन्य वित्तीय प्राक्कलन का एक अभिलेख ;

(छ) आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों के साथ, उनकी तुलनीयता के विश्लेषण के लिए हिसाब में लिए गए अनियंत्रित संव्यवहारों का एक अभिलेख जिसमें तीसरे पक्षकारों के साथ, जो अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों की कीमत अंतरण से सुसंगत हो सकते हैं, कोई संव्यवहार सम्मिलित है ;

(ज) सुसंगत अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार के साथ अनियंत्रित संव्यवहारों की तुलनीयता का मूल्यांकन करने के लिए किए गए विश्लेषण का एक अभिलेख ;

(झ) प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार या संव्यवहार के वर्ग के संबंध में समान कीमत का अवधारण करने के लिए अपनाई गई पद्धतियों, इन स्पष्टीकरण के साथ कि ऐसी पद्धति का चयन क्यों किया गया था, और ऐसी पद्धति प्रत्येक मामले में लागू क्यों की गई थी, समुचित पद्धति के रूप में चयनित पद्धति का वर्णन ;

(ञ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए किए गए वास्तविक कार्यकरण का एक अभिलेख जिसमें समुचित पद्धति को लागू करने में उपयोग किए गए तुलनीय आंकड़े और वित्तीय सूचनाओं तथा समायोजन, यदि कोई हो, के ब्यौरे जिनके अंतर्गत संव्यवहार तुलनीय अनियंत्रित संव्यवहारों या ऐसे संव्यवहारों को आरंभ कर रहे उद्यमों के बीच अंतरों का लेखा जोखा दिया गया था ;

(ट) अंगीकार करना, नीतियां और कीमत परक्रामण, यदि कोई हो, जिन्होंने समान कीमत के अवधारण को आलोचनात्मक रूप से प्रभावित किया है ;

(ठ) इन नियमों के अधीन अवधारित समान कीमत के साथ मिलाने के लिए अतारण कीमत में किए गए समायोजन, यदि कोई हो, तथा कर प्रयोजनों के लिए कुल आय में किए गए पश्चात्पूर्वी समायोजन के ब्यौरे ;

(ड) कोई अन्य सूचना, आंकड़े या दस्तावेज, जिनमें सहयोजित उद्यम से संबंधित सूचना या आंकड़े भी हैं, जो समान कीमत के अवधारण के लिए सुसंगत हो सकते हैं ;

(2) उपनियम (1) की कोई बात किसी दशा में वहां लागू नहीं होगी, जहां निर्धारितियों द्वारा आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों की लेखा-बहियों में अभिलिखित सकल मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक नहीं है ;

परंतु यह कि निर्धारिती से उपलब्ध सामग्री के आधार पर यह साबित करने की अपेक्षा की जाएगी कि उसके द्वारा आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों से उद्भूत आय, धारा 92 के अनुसार संगणित की गई है ।

(3) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट सूचना के समर्थन में अधिप्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित है :

(क) सहयोजित उद्यम के निवास के देश या किसी अन्य देश की सरकार को शासकीय प्रकाशन, रिपोर्ट, अध्ययन और आंकड़ों के आधार ;

(ख) किए गए बाजार अनुसंधान की रिपोर्टें और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाली संस्थाओं द्वारा निकाले गए तकनीकी प्रकाशन ;

(ग) कीमत प्रकाशन जिसमें स्टाक एक्सचेंज और वाणिज्यीय बाजार कोटेशन ;

(घ) सहयोजित उद्यमों के कारबारी कार्यों से संबंधित प्रकाशित लेखा और वित्तीय विवरण ;

(ड) अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों से समरूप संव्यवहारों की बाबत सहयोजित उद्यमों या असंबद्ध उद्यमों के साथ किए गए करार और संविदाएं ;

(च) निर्धारिती और सहयोजित उद्यमों के बीच लिखे गए पत्रों और हुए अन्य पत्राचारों से संबंधित दस्तावेज और कोई निबंधन है ;

(छ) अपनायी गई लेखा संकर्म प्रथाओं के अधीन कतिपय संव्यवहारों के संबंध में साधारणतः जारी किए गए दस्तावेज ;

(4) उपनियम (1) और उपनियम (2) के अधीन विनिर्दिष्ट सूचना और दस्तावेज यथासंभव समकालीन होने चाहिए तथा धारा 92 के खंड (iv) में निर्दिष्ट, विनिर्दिष्ट तारीख तक विद्यमान होने चाहिए ;

परंतु यह कि जहां किसी अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार का एक पूर्व वर्ष से अधिक तक प्रभाव बना रहता है वहां प्रत्येक पूर्व वर्ष की बाबत पृथक् रूप से अन्य दस्तावेज बनाए रखने की आवश्यकता तब तक

नहीं है, जब तक अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार की प्रकृति या निबंधनो में, अपनायी गई धारणा में या किसी अन्य बात में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होता है जिससे अंतरण मूल्य पर प्रभाव पड़ सकता हो तथा ऐसे महत्वपूर्ण परिवर्तन की दशा में अन्य दस्तावेज, जो उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन आवश्यक हों, अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार में कीमत में परिवर्तन करने को प्रभावित करने के लिए रखा जाएगा।

(5) उपनियम (1) या उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट सूचना या दस्तावेज सुसंगत निर्धारण वर्ष के अंत से आठ वर्ष की अवधि के लिए अनुरक्षित रखे जाएंगे।

10ड. धारा 92ड के अधीन प्रस्तुत की जाने वाली किसी लेखाकार की रिपोर्ट

धारा 92ड के अधीन प्रत्येक व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली किसी लेखाकार की रिपोर्ट, जिसमें पूर्व वर्ष के दौरान कोई अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया है प्ररूप सं. 3गडख में होगी तथा उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित होगी।

(ii) नियम 11 का लोप किया जाएगा ;

(iii) परिशिष्ट में, प्ररूप सं. 3गडक के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंत स्थापित किया जाएगा अर्थात् :-

“ प्ररूप सं. 3गडख

[नियम 10ड देखिए]

अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार (रो) से संबंधित धारा 92ड के अधीन प्रस्तुत की जाने वाली किसी लेखाकार की रिपोर्ट

1. * मैंने/हमने 31मार्च, को समाप्त होने वाले पूर्ववर्ष के दौरान निर्धारिती द्वारा आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों से संबंधित (निर्धारिती का नाम और पता रखाई लया संख्यांक सहित) के लेखाओं और अभिलेखों की परीक्षा कर ली है।

2. * मेरी/हमारी राय में आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार (रो) की वास्तव निर्धारिती द्वारा समुचित सूचना और दस्तावेज जैसा विहित है, उसके अनुसार रखे गए हैं जैसा कि अभी तक निर्धारिती के अभिलेखों की * मेरे/हमारे द्वारा की गई परीक्षा से प्रतीत होता है।

3 धारा 92ड के अधीन प्रस्तुत किए जाने के लिए अपेक्षित विशिष्टियां इस प्ररूप के उपाबंध में दी गई हैं। * मेरी/हमारी राय और * मेरी/हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार और * मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपाबंध में दी गई विशिष्टियां सत्य और सही हैं।

*** हस्ताक्षरित

नाम.....

पता

सदस्यता स

स्थान

तारीख .

टिप्पण

- 1 * जो लागू न हो उसे काट दे ।
- 2 ** इस रिपोर्ट को निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना है -
 - 1) चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट अधिनियम 1949 (1949 का 38) के अर्थान्तर्गत कोई चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट ; या
 - 11) कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी राज्य के सबध में कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबधों के आन्तर पर उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत किसी कंपनी के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र है ।

प्ररूप सं. 3गडख का उपाबंध

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 92ड के अधीन किए जाने के लिए अपेक्षित अंतरराष्ट्रीय संव्यवहारों से संबंधित विशिष्टियां

भाग क

- 1 निर्धारिती का नाम
- 2 पता
- 3 स्थाई लेखा संख्याक
- 4 प्रास्थिति
- 5 समाप्त हुआ पूर्ववर्ष
- 6 निर्धारण वर्ष

भाग ख

- 7 निम्नलिखित व्यौरे सहित सहयोजित उद्यमों की सूची जिनके साथ निर्धारिती ने अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरम्भ किया है
 - (क) सहयोजित उद्यम का नाम ।
 - (ख) धारा 92क(2) में यथानिर्दिष्ट सहयोजित उद्यम के साथ सबधों की प्रकृति ।
 - (ग) सहयोजित उद्यम द्वारा चलाए जा रहे कारबार का संक्षिप्त वर्णन ।
- 8 मूर्त संपत्ति में संव्यवहारों के सबध में विशिष्टियां

- क क्या निर्धारिती ने सहयोजित उद्यमों से/को माल/वस्तुओं के सयोजन/ हा/नही
प्रसरकरण/ विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री, खपत होने वाली सामग्री
या किसी अन्य प्रदाय के क्रय/विक्रय के सबध में किसी अतरराष्ट्रीय
संव्यवहार (रो) आरम्भ किया है ?
- यदि हा, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और प्रत्येक संव्यवहार या संव्यवहार
के वर्ग की बाबत निम्नलिखित ब्यौरे दे,
- (क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिसके साथ अतरराष्ट्रीय
संव्यवहार आरंभ किया गया है ।
- (ख) संव्यवहार का वर्णन और क्रय/विक्रय की गई मात्रा ।
- (ग) संव्यवहार में सदत्त/प्राप्त की गई या सदेय/प्राप्य कुल राशि
- i) लेखाबहियों के अनुसार ।
- ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा
यथसंगणित ।
- (घ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए प्रयोग की गई पद्धति
[धारा 92ग(1) देखिए]
- ख क्या निर्धारिती ने व्यापृत/तैयार किए गए माल के क्रय/विक्रय की बाबत हा/नही
कोई अतरराष्ट्रीय संव्यवहार (रो) आरम्भ किया है ?
- यदि हा, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और प्रत्येक संव्यवहार या संव्यवहार
के वर्ग की बाबत निम्नलिखित ब्यौरे दे,
- (क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अतरराष्ट्रीय
संव्यवहार आरम्भ किया गया है ।
- (ख) संव्यवहार का वर्णन और क्रय/विक्रय की गई मात्रा ।
- (ग) संव्यवहार में सदत्त/प्राप्त की गई या सदेय/प्राप्य कुल राशि
- i) लेखाबहियों के अनुसार ।
- ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा
यथसंगणित ।
- (घ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए प्रयोग की गई पद्धति
[धारा 92ग(1) देखिए]
- ग क्या निर्धारिती ने किसी अन्य मूर्त जगम/स्थावर संपत्ति के क्रय/विक्रय या हा/नही
ऐसी संपत्ति को पट्टे पर देने से सबधित कोई अतरराष्ट्रीय संव्यवहार
(रो) आरम्भ किया है ?

यदि हां, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और प्रत्येक संव्यवहार या संव्यवहार के वर्ग की बाबत निम्नलिखित ब्यौरे दें,

(क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया गया है ।

(ख) संपत्ति का वर्णन और संव्यवहार की प्रकृति ।

(ग) संव्यवहार में अंतर्वलित जंगम/स्थावर संपत्ति के प्रत्येक प्रवर्ग के एककों की संख्या ।

(घ) क्रय/विक्रय के प्रत्येक संव्यवहार में संदत्त/प्राप्त की गई या संदाय/प्राप्य अथवा उपलब्ध कराए गए/आरंभ किए गए पट्टे के संबंध में संदत्त/प्राप्त किया गया पट्टा भाड़ा या संदेय/ प्राप्य राशि -

i) लेखाबहियों के अनुसार ।

ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा यथसंगणित ।

(ङ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए उपयोग की गई पद्धति [धारा 92ग(1) देखिए]

9. अमूर्त संपत्ति के संव्यवहार के संबंध में विशिष्टियां :

क्या निर्धारिती ने अमूर्त संपत्ति के जिसे व्यवहार ज्ञान, पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार अनुज्ञप्तियों आदि के क्रय/विक्रय/ उपयोग से संबंधित कोई अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार (रों) आरंभ किया है ? हां/नहीं

यदि हां, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और अमूर्त संपत्ति के प्रत्येक प्रवर्ग की बाबत निम्नलिखित ब्यौरे दें,

(क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया गया है ।

(ख) अमूर्त संपत्ति का वर्णन और संव्यवहार की प्रकृति ।

(ग) अमूर्त संपत्ति के प्रत्येक प्रवर्ग के क्रय/विक्रय/उपयोग के लिए संदत्त/प्राप्त की गई या संदेय/प्राप्य राशि ।

i) लेखाबहियों के अनुसार ।

ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा यथसंगणित ।

(घ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए उपयोग की गई पद्धति [धारा 92ग(1) देखिए]

10. सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विशिष्टियां :

क्या निर्धारिती ने वित्तीय/प्रशासनिक/तकनीकी/वाणिज्यिक सेवाओं आदि हां/नहीं
जैसी सेवाओं के संबंध में कोई अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार (रों) आरंभ किया
है ?

यदि हां, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और सेवाओं के प्रत्येक प्रवर्ग की
बाबत निम्नलिखित ब्यौरे दें,

(क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अंतरराष्ट्रीय
संव्यवहार आरंभ किया गया है ।

(ख) सहयोजित उद्यम को/से उपलब्ध कराई गई/प्राप्त की गई सेवाओं
का वर्णन ।

(ग) उपलब्ध कराई गई/ ली गई सेवाओं के लिए संदत्त/प्राप्त या
संदेय/प्राप्य राशि ।

i) लेखाबहियों के अनुसार ।

ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा
यथसंगणित ।

(घ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए उपयोग की गई पद्धति
[धारा 92ग(1) देखिए]

11. धन उधार देने या उधार लेने के संबंध में विशिष्टियां :

क्या निर्धारिती ने सहयोजित उद्यम को या से ऋण/उधार देने या प्राप्त हां/नहीं
करने से संबंधित कोई अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार (रों) आरंभ किया है ?

यदि हां, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और प्रत्येक ऋण/अग्रिम से संबंधित
निम्नलिखित ब्यौरे दें,

(क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अंतरराष्ट्रीय
संव्यवहार आरंभ किया गया है ।

(ख) वित्तीय करार की प्रकृति ।

(ग) करेंसी जिसमें ऋण/अग्रिम दिया गया/प्राप्त किया गया ।

(घ) प्रत्येक ऋण/अग्रिम की बाबत भारित/संदत्त ब्याज की दर ।

(ङ) संव्यवहार में संदत्त/प्राप्त या संदेय/प्राप्य राशि -

i) लेखाबहियों के अनुसार ।

ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा
यथसंगणित ।

(च) समान कीमत का अवधारण करने के लिए उपयोग की गई पद्धति [धारा 92ग(1) देखिए]

12. पारस्परिक करार या समझौते से संबंधित विशिष्टियां :

क्या निर्धारिती ने किसी पारस्परिक करार या समझौते के द्वारा किसी हां/नहीं सहयोजित उद्यम या उद्यमों के साथ ऐसे एक या एक से अधिक उद्यमों को किसी फायदे, उपलब्ध कराई गई या उपलब्ध कराई जाने वाली सेवा या सुविधा के संबंध में उपगत या उपगत होने वाली किसी लागत या व्यय में विभाजन या आबंटन अथवा अंशदान के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया है ?

यदि हां, तो प्रत्येक करार/समझौते की वाबत निम्नलिखित ब्यौरे दें :

(क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया गया है ।

(ख) ऐसे पारस्परिक करार या समझौते का वर्णन ।

(ग) प्रत्येक ऐसे संव्यवहार में संदत्त/प्राप्त या संदेय/प्राप्य राशि ।

i) लेखाबहियों के अनुसार ।

ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा यथसंगणित ।

(घ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए उपयोग की गई पद्धति [धारा 92ग(1) देखिए]

13. किसी अन्य संव्यवहार से संबंधित विशिष्टियां :

क्या निर्धारिती ने ऊपर विनिर्दिष्टतया निर्दिष्ट नहीं किया गया कोई अन्य हां/नहीं अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार किसी सहयोजित उद्यम के साथ आरंभ किया है ?

यदि हां, तो प्रत्येक सहयोजित उद्यम और प्रत्येक संव्यवहार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :

(क) सहयोजित उद्यम का नाम और पता जिनके साथ अंतरराष्ट्रीय संव्यवहार आरंभ किया गया है ।

(ख) संव्यवहार का वर्णन ।

(ग) संव्यवहार में संदत्त/प्राप्त या संदेय/प्राप्य राशि ।

i) लेखाबहियों के अनुसार ।

ii) समान कीमत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्धारिती द्वारा

यथसंगणित ।

(घ) समान कीमत का अवधारण करने के लिए उपयोग की गई पद्धति
[धारा 92ग(1) देखिए]

*** हस्ताक्षरित

नाम.....

पता.....

स्थान :

तारीख :

टिप्पण : ** यह उपाबंध हस्ताक्षरित किया जाना है -

i) चार्टर्ड अकाउन्टेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अर्थान्तर्गत कोई चार्टर्ड अकाउन्टेंट ; या

ii) कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी राज्य के संबंध में, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबंधों के आधार पर उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत किसी कंपनी के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए पात्र हैं । ** ।

[अधिसूचना सं. 250/2001/फ़. सं. 142/41/2001-टीपीएल]

वत्सला झा यादव, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं. 969(अ) तारीख 26-3-1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन आयकर (बीसवां संशोधन) नियम, 2001 द्वारा अधिसूचना सं. 248/2001 तारीख 17-8-2001 द्वारा किया गया ।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 21st August, 2001

INCOME-TAX

S.O. 808(E).— In exercise of powers conferred by section 295, read with sections 92C, 92D and 92E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (i) These rules may be called the Income-tax (21st Amendment) Rules, 2001.
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962, -
 - (i) after rule 10, the following rules shall be inserted, namely:-

“10A. Meaning of expressions used in computation of arm's length price

For the purposes of this rule and rules 10B to 10E,-

- (a) 'uncontrolled transaction' means a transaction between enterprises other than associated enterprises, whether resident or non-resident;
- (b) 'property' includes goods, articles or things, and intangible property;
- (c) 'services' include financial services;
- (d) 'transaction' includes a number of closely linked transactions.

10B. Determination of arm's length price under section 92C

- (1) For the purposes of sub-section (2) of section 92C, the arm's length price in relation to an international transaction shall be determined by any of the following methods, being the most appropriate method, in the following manner, namely:-
 - (a) comparable uncontrolled price method, by which,-
 - (i) the price charged or paid for property transferred or services provided in a comparable uncontrolled transaction, or a number of such transactions, is identified;
 - (ii) such price is adjusted to account for differences, if any, between the international transaction and the comparable uncontrolled transactions

- or between the enterprises entering into such transactions, which could materially affect the price in the open market;
- (iii) the adjusted price arrived at under sub-clause (ii) is taken to be an arm's length price in respect of the property transferred or services provided in the international transaction;

(b) resale price method, by which,-

- (i) the price at which property purchased or services obtained by the enterprise from an associated enterprise is resold or are provided to an unrelated enterprise, is identified;
- (ii) such resale price is reduced by the amount of a normal gross profit margin accruing to the enterprise or to an unrelated enterprise from the purchase and resale of the same or similar property or from obtaining and providing the same or similar services, in a comparable uncontrolled transaction, or a number of such transactions;
- (iii) the price so arrived at is further reduced by the expenses incurred by the enterprise in connection with the purchase of property or obtaining of services;
- (iv) the price so arrived at is adjusted to take into account the functional and other differences, including differences in accounting practices, if any, between the international transaction and the comparable uncontrolled transactions, or between the enterprises entering into such transactions, which could materially affect the amount of gross profit margin in the open market;
- (v) the adjusted price arrived at under sub-clause(iv) is taken to be an arm's length price in respect of the purchase of the property or obtaining of the services by the enterprise from the associated enterprise;

(c) cost plus method, by which,-

- (i) the direct and indirect costs of production incurred by the enterprise in respect of property transferred or services provided to an associated enterprise, are determined;
- (ii) the amount of a normal gross profit mark-up to such costs (computed according to the same accounting norms) arising from the transfer or provision of the same or similar property or services by the enterprise, or by an unrelated enterprise, in a comparable uncontrolled transaction, or a number of such transactions, is determined;
- (iii) the normal gross profit mark-up referred to in sub-clause (ii) is adjusted to take into account the functional and other differences, if any, between the international transaction and the comparable uncontrolled transactions, or between the enterprises entering into such transactions, which could materially affect such profit mark-up in the open market;
- (iv) the costs referred to in sub-clause(i) are increased by the adjusted profit mark-up arrived at under sub-clause (iii);

- (v) the sum so arrived at is taken to be an arm's length price in relation to the supply of the property or provision of services by the enterprise;
- (d) profit split method, which may be applicable mainly in international transactions involving transfer of unique intangibles or in multiple international transactions which are so interrelated that they cannot be evaluated separately for the purpose of determining the arm's length price of any one transaction, by which-
 - (i) the combined net profit of the associated enterprises arising from the international transaction in which they are engaged, is determined;
 - (ii) the relative contribution made by each of the associated enterprises to the earning of such combined net profit, is then evaluated on the basis of the functions performed, assets employed or to be employed and risks assumed by each enterprise and on the basis of reliable external market data which indicates how such contribution would be evaluated by unrelated enterprises performing comparable functions in similar circumstances;
 - (iii) the combined net profit is then split amongst the enterprises in proportion to their relative contributions, as evaluated under sub-clause (ii);
 - (iv) the profit thus apportioned to the assessee is taken into account to arrive at an arm's length price in relation to the international transaction:

Provided that the combined net profit referred to in sub-clause (i) may, in the first instance, be partially allocated to each enterprise so as to provide it with a basic return appropriate for the type of international transaction in which it is engaged, with reference to market returns achieved for similar types of transactions by independent enterprises, and thereafter, the residual net profit remaining after such allocation may be split amongst the enterprises in proportion to their relative contribution in the manner specified under sub-clauses (ii) and (iii), and in such a case the aggregate of the net profit allocated to the enterprise in the first instance together with the residual net profit apportioned to that enterprise on the basis of its relative contribution shall be taken to be the net profit arising to that enterprise from the international transaction;

- (e) transactional net margin method, by which,-

- (i) the net profit margin realised by the enterprise from an international transaction entered into with an associated enterprise is computed in relation to costs incurred or sales effected or assets employed or to be employed by the enterprise or having regard to any other relevant base;
- (ii) the net profit margin realised by the enterprise or by an unrelated enterprise from a comparable uncontrolled transaction or a number of such transactions is computed having regard to the same base;

- (iii) the net profit margin referred to in sub-clause (ii) arising in comparable uncontrolled transactions is adjusted to take into account the differences, if any, between the international transaction and the comparable uncontrolled transactions, or between the enterprises entering into such transactions, which could materially affect the amount of net profit margin in the open market;
 - (iv) the net profit margin realised by the enterprise and referred to in sub-clause (i) is established to be the same as the net profit margin referred to in sub-clause (iii);
 - (v) the net profit margin thus established is then taken into account to arrive at an arm's length price in relation to the international transaction.
- (2) For the purposes of sub-rule (1), the comparability of an international transaction with an uncontrolled transaction shall be judged with reference to the following, namely:-
- (a) the specific characteristics of the property transferred or services provided in either transaction;
 - (b) the functions performed, taking into account assets employed or to be employed and the risks assumed, by the respective parties to the transactions;
 - (c) the contractual terms (whether or not such terms are formal or in writing) of the transactions which lay down explicitly or implicitly how the responsibilities, risks and benefits are to be divided between the respective parties to the transactions;
 - (d) conditions prevailing in the markets in which the respective parties to the transactions operate, including the geographical location and size of the markets, the laws and government orders in force, costs of labour and capital in the markets, overall economic development and level of competition and whether the markets are wholesale or retail.
- (3) An uncontrolled transaction shall be comparable to an international transaction if –
- (i) none of the differences, if any, between the transactions being compared, or between the enterprises entering into such transactions are likely to materially affect the price or cost charged or paid in, or the profit arising from, such transactions in the open market; or
 - (ii) reasonably accurate adjustments can be made to eliminate the material effects of such differences.
- (4) The data to be used in analysing the comparability of an uncontrolled transaction with an international transaction shall be the data relating to the financial year in which the international transaction has been entered into:

Provided that data relating to a period not being more than two years prior to such financial year may also be considered if such data reveals facts which could have an influence on the determination of transfer prices in relation to the transactions being compared.

10C. Most appropriate method

- (1) For the purposes of sub-section (1) of section 92C, the most appropriate method shall be the method which is best suited to the facts and circumstances of each particular international transaction, and which provides the most reliable measure of an arm's length price in relation to the international transaction.
- (2) In selecting the most appropriate method as specified in sub-rule (1), the following factors shall be taken into account, namely:-
 - (a) the nature and class of the international transaction;
 - (b) the class or classes of associated enterprises entering into the transaction and the functions performed by them taking into account assets employed or to be employed and risks assumed by such enterprises;
 - (c) the availability, coverage and reliability of data necessary for application of the method;
 - (d) the degree of comparability existing between the international transaction and the uncontrolled transaction and between the enterprises entering into such transactions;
 - (e) the extent to which reliable and accurate adjustments can be made to account for differences, if any, between the international transaction and the comparable uncontrolled transaction or between the enterprises entering into such transactions;
 - (f) the nature, extent and reliability of assumptions required to be made in application of a method.

10D. Information and documents to be kept and maintained under section 92D

- (1) Every person who has entered into an international transaction shall keep and maintain the following information and documents, namely:-
 - (a) a description of the ownership structure of the assessee enterprise with details of shares or other ownership interest held therein by other enterprises;
 - (b) a profile of the multinational group of which the assessee enterprise is a part along with the name, address, legal status and country of tax residence of each of the enterprises comprised in the group with whom international transactions have been entered into by the assessee, and ownership linkages among them;
 - (c) a broad description of the business of the assessee and the industry in which the assessee operates, and of the business of the associated enterprises with whom the assessee has transacted;
 - (d) the nature and terms (including prices) of international transactions entered into with each associated enterprise, details of property transferred or services provided and the quantum and the value of each such transaction or class of such transaction;
 - (e) a description of the functions performed, risks assumed and assets employed or to be employed by the assessee and by the associated enterprises involved in the international transaction;
 - (f) a record of the economic and market analyses, forecasts, budgets or any other financial estimates prepared by the assessee for the business as a whole and for

each division or product separately, which may have a bearing on the international transactions entered into by the assessee;

- (g) a record of uncontrolled transactions taken into account for analysing their comparability with the international transactions entered into, including a record of the nature, terms and conditions relating to any uncontrolled transaction with third parties which may be of relevance to the pricing of the international transactions;
 - (h) a record of the analysis performed to evaluate comparability of uncontrolled transactions with the relevant international transaction;
 - (i) a description of the methods considered for determining the arm's length price in relation to each international transaction or class of transaction, the method selected as the most appropriate method along with explanations as to why such method was so selected, and how such method was applied in each case;
 - (j) a record of the actual working carried out for determining the arm's length price, including details of the comparable data and financial information used in applying the most appropriate method, and adjustments, if any, which were made to account for differences between the international transaction and the comparable uncontrolled transactions, or between the enterprises entering into such transactions;
 - (k) the assumptions, policies and price negotiations, if any, which have critically affected the determination of the arm's length price;
 - (l) details of the adjustments, if any, made to transfer prices to align them with arm's length prices determined under these rules and consequent adjustment made to the total income for tax purposes;
 - (m) any other information, data or document, including information or data relating to the associated enterprise, which may be relevant for determination of the arm's length price.
- (2) Nothing contained in sub-rule (1) shall apply in a case where the aggregate value, as recorded in the books of account, of international transactions entered into by the assessee does not exceed one crore rupees:

Provided that the assessee shall be required to substantiate, on the basis of material available with him, that income arising from international transactions entered into by him has been computed in accordance with section 92.

- (3) The information specified in sub-rule (1) shall be supported by authentic documents, which may include the following:
- (a) official publications, reports, studies and data bases from the Government of the country of residence of the associated enterprise, or of any other country;
 - (b) reports of market research studies carried out and technical publications brought out by institutions of national or international repute;
 - (c) price publications including stock exchange and commodity market quotations;
 - (d) published accounts and financial statements relating to the business affairs of the associated enterprise.

- (e) agreements and contracts entered into with associated enterprises or with unrelated enterprises in respect of transactions similar to the international transactions;
 - (f) letters and other correspondence documenting any terms negotiated between the assessee and the associated enterprise;
 - (g) documents normally issued in connection with various transactions under the accounting practices followed.
- (4) The information and documents specified under sub-rules (1) and (2), should, as far as possible, be contemporaneous and should exist latest by the specified date referred to in clause (iv) of section 92F:

Provided that where an international transaction continues to have effect over more than one previous years, fresh documentation need not be maintained separately in respect of each previous year, unless there is any significant change in the nature or terms of the international transaction, in the assumptions made, or in any other factor which could influence the transfer price, and in case of such significant change, fresh documentation as may be necessary under sub-rules (1) and (2) shall be maintained bringing out the impact of the change on the pricing of the international transaction.

- (5) The information and documents specified in sub-rules (1) and (2) shall be kept and maintained for a period of eight years from the end of the relevant assessment year.

10E. Report from an accountant to be furnished under section 92E

The report from an accountant required to be furnished under section 92E by every person who has entered into an international transaction during a previous year shall be in Form No. 3CEB and be verified in the manner indicated therein.”;

- (ii) Rule 11 shall be omitted;
- (iii) in the appendix, after Form No. 3CEA, the following form shall be inserted, namely:-

“FORM NO. 3CEB

[See rule 10E]

Report from an accountant to be furnished under section 92E relating to international transaction (s)

*I/We have examined the accounts and records of
(name and address of the assessee with PAN) relating to the international transactions entered into by the assessee during the previous year ending on 31st March,

2. In *my/our opinion proper information and documents as are prescribed have been kept by the assessee in respect of the international transaction(s) entered into so far as appears from *my/our examination of the records of the assessee.
3. The particulars required to be furnished under section 92E are given in the Annexure to this Form. In *my/our opinion and to the best of my/our information and according to the explanations given to *me/us, the particulars given in the Annexure are true and correct.

**Signed

Name _____

Address _____

Membership No. _____

Place:

Date:

Notes:

1. *Delete whichever is not applicable.
2. **This report has to be signed by –
 - i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or
 - ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

ANNEXURE TO FORM NO. 3CEB

Particulars relating to international transactions required to be furnished under section 92E of the Income-tax Act, 1961

PART A

1. Name of the assessee
2. Address
3. Permanent account number
4. Status

5. Previous year ended
6. Assessment year

PART B

7. List of associated enterprises with whom the assessee has entered into international transactions, with the following details:

- (a) Name of the associated enterprise.
- (b) Nature of the relationship with the associated enterprise as referred to in section 92A(2).
- (c) Brief description of the business carried on by the associated enterprise.

8. Particulars in respect of transactions in tangible property

- A. Has the assessee entered into any international transaction(s) in respect of purchase/sale of raw material, consumables or any other supplies for assembling/processing/manufacturing of goods/articles from/to associated enterprises?

Yes/No

If 'yes', provide the following details in respect of each associated enterprise and each transaction or class of transaction:

- (a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.
- (b) Description of transaction and quantity purchased/sold.
- (c) Total amount paid/received or payable/ receivable in the transaction -
 - i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.
- (d) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

- B. Has the assessee entered into any international transaction(s) in respect of purchase/sale of traded/finished goods? Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each associated enterprise and each transaction or class of transaction:

- (a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.
- (b) Description of transaction and quantity purchased/sold.
- (c) Total amount paid/received or payable/ receivable in the transaction -
 - i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.
- (d) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

- C. Has the assessee entered into any international transaction(s) in respect of purchase/sale of any other tangible moveable/immovable property or lease of such property? Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each associated enterprise and each transaction or class of transaction:

- (a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.
- (b) Description of the property and nature of transaction.
- (c) Number of units of each category of moveable/immovable property involved in the transaction.
- (d) Amount paid/received or payable/ receivable in each transaction of purchase/sale, or lease rent paid/received or payable/receivable in respect of each lease provided/ entered into -
 - i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having

regard to the arm's length price.

(e) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

9. Particulars in respect of transactions in intangible property:

Has the assessee entered into any international transaction(s) in respect of purchase/sale/use of intangible property such as know-how, patents, copyrights, licenses, etc.?

Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each associated enterprise and each category of intangible property:

(a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.

(b) Description of intangible property and nature of transaction.

(c) Amount paid/received or payable/ receivable for purchase/sale/use of each category of intangible property -

i) as per books of account.

ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.

(d) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

10. Particulars in respect of providing of services:

Has the assessee entered into any international transaction(s) in respect of services such as financial, administrative, technical, commercial services, etc.?

Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each associated enterprise and each category of service:

(a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.

(b) Description of services provided/availed to/ from the associated enterprise.

(c) Amount paid/received or payable/ receivable for

2 65 67/2 7

the services provided/taken -

- i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.
- (d) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

11. Particulars in respect of lending or borrowing money:

Has the assessee entered into any international transaction(s) in respect of granting/receiving loans/advances to or from associated enterprise?

Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each associated enterprise and each loan/advance:

- (a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.
- (b) Nature of financing agreement.
- (c) Currency in which loan/advance granted/received.
- (d) Interest rate charged/paid in respect of each loan/advance.
- (e) Amount paid/received or payable/ receivable in the transaction -
 - i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.
- (f) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

12. Particulars in respect of mutual agreement or arrangement:

Has the assessee entered into any international transaction with an associated enterprise or enterprises by way of a mutual agreement or arrangement for the allocation or apportionment of, or any contribution to, any cost or expense incurred or to be incurred in connection with a benefit, service or facility provided or to be provided to any one or more of such enterprises?

Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each

A

agreement/arrangement:

- (a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.
- (b) Description of such mutual agreement or arrangement.
- (c) Amount paid/received or payable/ receivable in each such transaction -
 - i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.
- (d) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

13. Particulars in respect of any other transaction:

Has the assessee entered into any other international transaction not specifically referred to above, with associated enterprise?

Yes/No

If 'yes' provide the following details in respect of each associated enterprise and each transaction:

- (a) Name and address of the associated enterprise with whom the international transaction has been entered into.
- (b) Description of the transaction.
- (c) Amount paid/received or payable/ receivable in the transaction -
 - i) as per books of account.
 - ii) as computed by the assessee having regard to the arm's length price.
- (d) Method used for determining the arm's length price [See section 92C(1)]

**Signed

Name _____
Address _____

A

Place:

Date:

Notes: ****This annexure has to be signed by -**

- i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949); or
- ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.”.

[Notification No. 250/2001/F. No. 142/41/2001-TPL]
BATSALAJHA YADAV, Under Secy.

Note : The principal rules were published vide Notification No. 969(E) dt. 26-3-1962 and were last amended by the Income-tax (20th Amendment) Rules, 2001 vide Notification 248/2001 dt. 17-8-2001.